Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ वरलक्ष्मी कलश स्थापना ॥

॥ जय माँ वरलक्ष्मी ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ कलश की सामग्री और तैयारी ॥

१. स्थान तैयार करें

पूजा के लिए स्वच्छ, स्थिर चौकी चुनें। उस पर साफ वस्त्र बिछाएँ और छोटी रंगोली या फूलों से सजाएँ। कलश के नीचे अक्षत या चावल की छोटी ढेरी रख सकते हैं ताकि पात्र सुरक्षित टिके।

२. सामग्री एकत्र करें

साफ धातु या मिट्टी का कलश, स्वच्छ जल, चावल, आम या उपलब्ध स्वच्छ पत्ते, नारियल, मौली, फूल, हल्दी-कुमकुम और दीप रखें। मुखौटा, वस्त्र, आभूषण तथा सिक्का स्थानीय परंपरा और उपलब्धता के अनुसार वैकल्पिक हैं।

३. कलश सजाएँ

कलश को धोकर बाहर हल्दी-कुमकुम का चिह्न लगाएँ। उसमें स्वच्छ जल भरें; कुछ घरों में अक्षत, सुपारी या सिक्का भी रखते हैं। गले पर मौली बाँधें, मुख पर पत्ते सजाएँ और ऊपर नारियल टिकाएँ। नारियल को मजबूती से रखें ताकि वह गिरे नहीं।

कहीं कलश में चावल भरे जाते हैं और कहीं पानी। कुछ परिवार देवी का मुखौटा तथा साड़ी भी सजाते हैं। ये सब एक ही अनिवार्य विधि नहीं हैं; अपने घर की परंपरा के अनुसार व्यवस्था करें।

॥ आवाहन, पूजन और समापन ॥

४. स्थापना का संकल्प

कलश को चौकी पर रखकर गणेशजी और वरलक्ष्मी का स्मरण करें। परिवार के कल्याण, सद्बुद्धि और कृतज्ञता के लिए संकल्प लें। मन में देवी की उपस्थिति का ध्यान करते हुए पुष्प और अक्षत अर्पित करें।

५. सरल कलश पूजन

कलश के सामने दीप जलाएँ और फूल, चंदन या कुमकुम अर्पित करें। देवी का नाम जपें। कलश का पानी बहाकर चित्र या विद्युत उपकरणों पर न डालें; पूजा स्थान सुरक्षित रखें और दीप की निगरानी करें।

६. पूजन के बाद

कथा, आरती और प्रसाद वितरण के बाद परिवार की रीति से कलश का विसर्जन करें। स्वच्छ जल पौधे में या उपयुक्त स्थान पर अर्पित किया जा सकता है; चावल उपयोग योग्य हों तो सम्मान से ग्रहण या दान करें। सजावट पुनः उपयोग में लें।

यह घर में की जाने वाली सरल स्थापना का क्रम है। विस्तृत आवाहन और षोडशोपचार के मंत्र अपनी परंपरा या पुरोहित के मार्गदर्शन से करें।

॥ ॐ श्रीं वरलक्ष्म्यै नमः ॥